१. सोंधी सुगंध

– डॉ. *कृपाशंकर शर्मा 'अचूक'*

सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली,
बादल बरस गया, धरती ने आँखें खोलीं ।

चारों ओर हुई हरियाली कहे मयूरा,
सदियों का जो सपना है हो जाए पूरा ।
एक यहाँ पर नहीं अकेला, होगी टोली,
सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली ।।

बाग-बगीचे, ताल-तलैया सब मुस्काएँ,
झूम-झूमकर मस्ती में तरु गीत सुनाएँ ।
मस्त पवन ने अब खोली है अपनी झोली,
सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली ।।

सागर का जो था मंसूबा सफल हो गया,
खुशियों की दुनिया में आकर स्वयं खो गया ।
धरती ने शृंगार किया, फिर माथे रोली,
सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली ।।

पावस का मधुमास आस-विश्वास बढ़ाता,
नत मस्तक होकर 'अचूक' पद पुष्प चढ़ाता ।
सदा-सदा से चलती आई हँसी-ठिठोली,
सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली ।।

('नदी उफान भरे' गीत संग्रह से)

—— ० ——

परिचय

जन्म : १९४९, एटा (उ.प्र.)

परिचय : डॉ. कृपाशंकर शर्मा 'अचूक' जी हिंदी साहित्य की विविध विधाओं में लिखते रहे हैं । आपने गीत, गजल, कविताएँ, दोहे एवं समीक्षाएँ लिखी हैं । इनके साथ-ही-साथ आपने बालगीत तथा बाल कहानियों में भी उल्लेखनीय लेखन किया है ।

प्रमुख कृतियाँ : 'फिर भी कहना शेष रह गया', 'नदी उफान भरे' (गीत संग्रह), 'गीत खुशी के गाओ तुम' (बालगीत संग्रह) आदि ।

पद्य संबंधी

प्रस्तुत गीत में कवि ने वर्षा ऋतु का वर्णन किया है । वर्षा में प्रकृति के विविध रूपों, पेड़-पौधों, नदी-तालाबों आदि में होने वाले परिवर्तनों का यहाँ सजीव एवं मनोहारी वर्णन किया गया है ।

NitinTonpe.com

शब्द संसार

सोंधी वि.(दे.) = सुगंधित

मंसूबा पुं. सं.(अ.) = विचार, इरादा

रोली स्त्री.सं(हिं) = हल्दी-चूने का चूर्ण

मधुमास पुं.सं.(सं) = वसंत ऋतु

स्वाध्याय

* सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(१) कृति पूर्ण कीजिए :

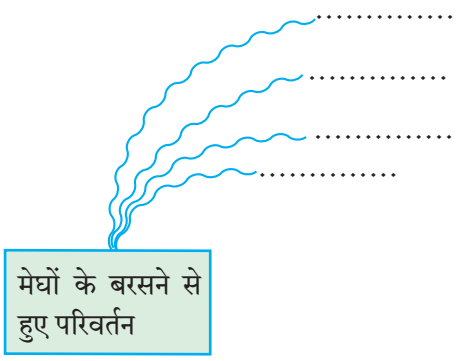

(२) कृति पूर्ण कीजिए :

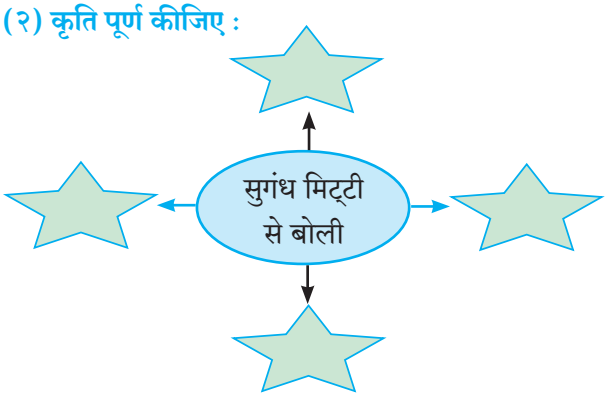

(३) गीत में प्रयुक्त क्रियारूप लिखिए :

१. बाग-बगीचे, ताल-तलैया ---------
२. झूम-झूमकर मस्ती में तरु गीत ---------
३. मधुमास आस-विश्वास ---------
४. धरती ने ---------

(४) उपसर्ग-प्रत्यय लगाकर शब्द लिखिए :

अभिव्यक्ति प्रस्तुत गीत की प्रथम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए ।

भाषा बिंदु वर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द छाँटकर लिखिए :

१. विश्वास/विशवास/विसवास ----------
२. मसतक/मस्थक/मस्तक ----------
३. पथ्थर/पथ्तर/पत्थर ----------
४. कुरीति/कूरिति/कुरिती ----------
५. चिन्ह/चीह्न/चिह्न ----------
६. इकठठा/इकठ्टा/इकट्ठा ----------
७. खुबसुरत/खूबसुरत/खूबसूरत ----------
८. विद्यापीठ/विद्यापीठ/विद्यापिठ ----------
९. बुद्धी/बुध्दी/बुद्धि ----------
१०. परिक्षार्थि/परीक्षार्थि/परीक्षार्थी ----------

उपयोजित लेखन निम्नलिखित सुवचन पर आधारित कहानी लिखिए :

'स्वास्थ्य ही संपदा है ।'

CGPAIG

NitinTonpe.com